to (c) "Public Order" and 'Police', being state subjects, are primarily the concern of the State Governments. However, the Central Government has also been rendering all possible assistance to the state governments in the form of additional para-military forces, provision of training facilities for state police personnel, improved communication facilities etc. The Central Government has been emphasising on the concerned state governments to organise joint operational plans and concerted police action by periodic consultation between the police authorities of the neighbouring states so that the extremist elements do not find shelter in the neighbouring states when under pressure elsewhere.

Amendment of Criminal Procedure Code

155. SHRI AJIT P. K. JOGI:
SHRI SUSHIL BARONGPA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are contemplating to amend Sections 173, 233, 260 and 296 of the Code of Criminal Procedure, 1973 with a view to ensuring more expeditious disposal of criminal cases;

(b) if so, what are the salient features of these amendments; and

(c) by when these amendments would be brought about?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) to (c) The Code of Criminal Procedure (Amendment) Bill, 1988, which was introduced in the Lok Sabha on 13-5-1988 but lapsed on the dissolution of the Lok Sabha, *inter-alia* contained provisions for the amendment of sections 173, 223, 260 and 296 in clauses 22, 28, 31 and 36 respectively, which had the effect of expediting the disposal of criminal cases. The question of undertaking legislation on the lines of the lapsed Bill is engaging the attention of the Government.

Offers to naxalites in A.P. for voluntary surrender

156. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the terms and conditions offered by the then Government of Telugu Desham in Andhra Pradesh to the naxalites in the State for their voluntary surrender;

(b) if so, details thereof; and

(c) the month-wise details of the sums paid to such surrendered Naxalites since 1985?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

राजस्थान राज्य में दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र

157. डा० अबरार अहमद खान: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने [illegible] करेंगे कि:

(क) राजस्थान में उन स्थानों के नाम क्या हैं, जहां सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र खोले जाने थे और इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि निर्धारित की गई थी;

(ख) उन स्थानों के नाम क्या हैं, जहां अब तक दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र खोले जा चुके हैं और इन पर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित की गई धनराशि में से कितनी धनराशि खर्च की गई है और निर्धारित अवधि में निर्धारित धनराशि खर्च न करने के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के नाम क्या हैं;

(ग) क्या यह सच है कि राजस्थान में निकट भविष्य में दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र स्थापित किए जाने हैं; यदि हां, तो किन किन स्थानों पर और कब तक; और

(घ) क्या यह भी सच है कि राजस्थान में कुछ ऐसे दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र हैं, जो जनता के लिए उपयोगी नहीं हैं, जैसे सवाई माधोपुर में जो पहाड़ियों से घिरा हुआ है, स्थापित किया गया केन्द्र अतः इस दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र को कब तक जनता के लिए उपयोगी बना दिया जाएगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) (क) से (घ) दूरदर्शन की सातवीं योजना में राजस्थान में निम्नलिखित ट्रांसमीटर लगाने की व्यवस्था की गई थी —

क्रम सं०	ट्रांसमीटर की शक्ति	संख्या	स्थान
1.	उच्च शक्ति टी०वी० ट्रांसमीटर (20 कि.वा./10 कि.वा.)	4	बाड़मेर, जैसलमेर, बूंदी, और अनूपगढ़
2.	अल्प शक्ति ट्रांसमीटर (100 वाट)	21	बिलानो, नागौर, झालावाड़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली, चूरू, सिरोही, जालौर, सीकर, झुनझुनू, सवाईमाधोपुर, अनूपगढ़, बूंदी, ब्यावर, डीग, हनुमानगढ़, सरदारशहर और टोंक और सलम्बर ;
3.	अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर (2×10 वाट)	1	रावतभाटा
4.	ट्रांसपोजर (2×10 वाट)	2	लालसोत और जानुआ—रामगढ़

अनूपगढ़, बूंदी, बाड़मेर और जैसलमेर के उच्च शक्ति टी०वी० ट्रांसमीटरों तथा सलम्बर के अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर को छोड़कर (जिनकी स्थापना का काम विभिन्न चरणों में चल रहा है) उपर्युक्त सभी ट्रांसमीटर सेवा के लिए चालू हो चुके हैं।

राजस्थान में दूरदर्शन परियोजनाओं की स्थापना के लिए सातवीं योजना के अन्तर्गत 29.07 करोड़ रुपये का अनुमानित परिव्यय रखा गया था जिसमें से 22.76 करोड़ रुपये का अनन्तिम व्यय किया जा चुका है व्यय में कमी मुख्यतः बूंदी और सलम्बर परियोजना स्थलों के अधिग्रहण में विलम्ब, बाड़मेर परियोजना स्थल तक लगभग 10 किलोमीटर लम्बी पक्की ऊंच सड़कें निर्माण की आवश्यकता बाड़मेर और जैसलमेर में 300 मीटर ऊंची आर.सी.सी. दूरदर्शन टावरों का निर्माण करने लिए डिजाइन के स्वरूप को अन्तिम रूप दिए जाने पर समय लगने (दूरदर्शन द्वारा इतने ऊंचे टावर पहली बार स्थापित किए जा रहे हैं) के कारण हुई है।

राजस्थान में नये दूरदर्शन रिले केन्द्रों की स्थापना योजना आयोग द्वारा अन्तिम रूप से अनुमोदित किए जाने वाली दूरदर्शन की आठवीं योजना के आकार पर निर्भर करता है।

राजस्थान में दूरदर्शन ट्रांसमीटरों का कार्यनिष्पादन सन्तोषजनक है तथापि कुछ ट्रांसमीटरों का कवरेज स्थानीय भू-भाग की परिस्थितियों के कारण सीमित है। ये ट्रांसमीटर शुरू में सम्बद्ध जिला प्राधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराई गई इमारतों में लगाये गए थे। सवाई माधोपुर और कुछ अन्य स्थानों पर लगाए गए ट्रांसमीटरों को उनके स्थानों पर ले जाने की परिकल्पना की गई है जहां पर उनका एन्टेना 100 मीटर ऊंचे टावर पर लगाया जाएगा। यह काम 1991 में पूरा किया जाएगा ताकि इन ट्रांसमीटरों से प्राप्त होने वाली कवरेज का विस्तार किया जा सके।

Fire at Vigyan Bhavan, New Delhi

158. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a maojr fire had occurred at Vigyan Bhavan, New Delhi on 16th April, 1990 when a conference of Senior Police Officers from all over the country was in progress therein;

(b) whether it is also a fact that the Chief Fire Officer, Delhi, had suggested electric short-circuit as probable cause of the fire;

(c) whether as per the Blue-Book of VIP security, fool-proof protection of a VIP venue of meeting like Vigyan Bhavan against electric short-circuit is one of the pre-requisites; and

(d) if so, whether Government accept the responsibility for the security lapse at Vigyan Bhavan; if not, the justification thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) As per standing instructions extra safety protections are taken at such venues.

(d) A Committee has been set up to inquire into the lapses, if any.

Withdrawal of sedition cases

159. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have withdrawn the charges of sedition and other anti-national activities against a number of persons who had been booked by the previous Government and were facing prosecution in various Courts;

(b) if so, the number thereof, State-wise and Union Territory-wise; and

(c) whether the Publishers & Editors of the three newspapers from Jammu & Kashmir, which have been banned recently, are facing charges of sedition; if not, for what offences they have been booked?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Surrender by the Naxalite in Andhra Pradesh

160. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that, consequent upon the offers for various incentives for rehabilitation, etc,, by the previous Government of Telugu Desham party in Andhra Pradesh a, number of naxalites surrendered voluntarily;

(b) if so, their number and whether Government have since scrutinised their respective detail; and